

nt>

Title: Need to revamp the Khadi and Gram Udyog Commission.

MR. SPEAKER: You are wasting the time of the House. Shri Ramji Lal Suman to speak.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, खादी एवं ग्राम-उद्योग की स्थापना सन् 1956 में की गयी थी, जिसका मकसद खादी एवं ग्राम-उद्योग के कामों को विकसित करना था। बहुत प्रतिभावान लोग जो खादी और ग्राम-उद्योग को समर्पित थे, वे इस आयोग के अध्यक्ष रहे। श्री बैकुण्ठ लाल मेहता और श्री यू.एन.देवर जो कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष थे, वे इस कमीशन के अध्यक्ष रहे। उनके बाद ही श्रीमती गांधी कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष बनी थीं। अध्यक्ष महोदय, इस समय खादी कमीशन अस्तित्व में नहीं है। मेरा सरकार से आग्रह है कि खादी कमीशन का तत्काल गठन किया जाए और ऐसे लोग जो खादी एवं ग्राम उद्योग के प्रति समर्पित हैं, प्रतिबद्ध हैं, उनको खादी कमीशन का अध्यक्ष बनाया जाए।

आज यह हो गया है कि जो लोग राजनीतिक दलों में कहीं खप नहीं पाते हैं, उन्हें विभिन्न कमीशनों का अध्यक्ष बना दिया जाता है। जो लोग चुनाव हार गए उनको पिछले दिनों धड़ाधड़ राज्यपाल बनाया गया। इसका कोई मतलब नहीं है। पिछली दो बार से जो खादी और ग्रामोद्योग कमीशन के अध्यक्ष रहे, उनकी प्रतिबद्धता खादी और ग्रामोद्योग से नहीं थी। उनकी प्रतिबद्धता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से थी। उन्होंने इस कमीशन के चरित्र को बिगाड़ने और बरबाद करने का काम किया। **â€œ(व्यवधान)**

MR. SPEAKER: Please conclude now.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I appeal to all the hon. leaders. If every hon. Member takes 10 minutes, how would we conduct the proceedings in this House?

...(Interruptions)

श्री रामजीलाल सुमन : हम चाहते हैं कि खादी और ग्रामोद्योग कमीशन का पुनर्गठन हो। इसके साथ हम यह भी चाहेंगे कि उनका जो दो बार का कार्यकाल रहा, उसकी जांच की जाए। **â€œ(व्यवधान)** उन्होंने खादी को पांच सितारा होटल की चीज बना दिया। **â€œ(व्यवधान)**

MR. SPEAKER: Shri Ramji Lal Suman, you cannot go on speaking.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: This is a very bad habit, Sushil Modiji. मोदी जी, आप हर बात पर खड़े हो जाते हैं।

â€œ(व्यवधान)

MR. SPEAKER: If it is not admissible, I shall expunge it. You cannot do like this. Every minute you stand up and start disturbing the proceedings of the House.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I shall see to it. But I cannot even hear. If you continuously carry on like this, how would we conduct the House?

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Every moment you are also talking. I cannot even hear a Member. This is very unfair. If there is something which should not be recorded, I assure you, it will be expunged. Draw my attention to that, please.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Yes, I will expunge it.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Ramjilal Sumanji, please conclude now. Do not misuse this opportunity.

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, मैं एक मिनट में खत्म कर रहा हूँ। **â€œ(व्यवधान)**

MR. SPEAKER: Everybody's one minute is 10 minutes here.

...(Interruptions)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन कर रहा था कि इस समय खादी ग्रामोद्योग कमीशन को अत्यधिक सशक्त बनाए जाने की आवश्यकता है तभी गांवों से जो लोग पलायन कर रहे हैं, उन्हें रोका जा सकेगा।

MR. SPEAKER: You are now repeating your points.

श्री रामजीलाल सुमन : देश में ग्रामोद्योग को तवज्जो देंगे तो लोगों को काम मिलेगा। मेरा आग्रह है कि ऐसे लोग जो खादी और ग्रामोद्योग के लिए समर्पित हुए, उनको इसमें रखा जाए और इस कमीशन को जल्दी अस्तित्व में लाया जाए। ऐसे लोग जो पहले कमीशन में रहे और जिन्होंने इस कमीशन की मार्फत भाजपा के लोगों को लाभ पहुंचाने का काम किया, उसकी पूरी जांच होनी चाहिए।

MR. SPEAKER: May I make a request to you, please?

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय: जो लोग हाथ उठाएंगे, मैं उनको नहीं बुलाऊंगा।

⌚ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: There has to be some procedure. I have got a list of names.

श्री अनंत गुढ़े (अमरावती) : अध्यक्ष महोदय, मेरा भी एक नोटिस है।... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: जो हाथ उठाएंगे, मैं उनको बोलने के लिए नहीं बुलाऊंगा।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आपको जो करना है, करिए। आप रिमूवल के लिए एक नोटिस दीजिए।

⌚ (व्यवधान)